www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 103 | जौनपुर गुरूवार, 27 नवम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

तमिलनाडु ने 43,844 करोड़ रुपये निवेश के 158 एमओयू पर हस्ताक्षर किए

तमिलनाडु, (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की मौजूदगी में मंगलवार को यहां हुए तमिलनाडु राइजिंग निवेश सम्मेलन में कुल 158 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। इनसे कुल 43,844 करोड़ रुपये का निवेश आने और एक लाख से अधिक नौकरियां पैदा होने का अनुमान है। इनमें साक्षी एयरक्राफ्ट इंडस्ट्री का एमओयू सबसे खास है, जिसके तहत तिरुपुर जिले में 500 करोड़ रुपये के निवेश से अत्याधुनिक दो सीटों वाला प्रशिक्षण विमान बनाने की इकाई लगाई जाएगी। इससे उच्च कुशल श्रमिकों के लिए 1,200 नौकरियां पैदा होंगी। यह राज्य में अपनी तरह की पहली प्रशिक्षण विमान विनिर्माण इकाई होगी। राज्य सरकार ने एक बयान में कहा, मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की मौजूदगी में तमिलनाडु राइजिंग– कोयंबटूर सम्मेलन में साक्षी एयरक्राफ्ट ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह भारत के विमानन भविष्य के लिए एक बड़ा कदम है। सरकार ने कहा कि इंजीनियरिंग कंपनी कैलिबर इंटरकनेक्ट्स कोयंबटूर में एक बड़ी सेमीकंडक्टर और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण इकाई पर 3,000 करोड़ रुपये निवेश करेगी और 4,000 नौकरियां पैदा करेगी। इसके अलावा सिंगुलैरिटी एयरोस्पेस कृष्णागिरि जिले में 50 करोड़ रुपये से एक उन्नत ड्रोन निर्माण इकाई लगाएगी। माइंडऑक्स टेक्नो ने कोयंबटूर जिले में सेमीकंडक्टर उपकरण संयंत्र के लिए 398 करोड़ रुपये निवेश करने का करार किया। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने भी सॉफ्टवेयर आधारित वाहनों और उन्नत वाहन प्रौद्योगिकी के लिए शोध एवं विकास केंद्र बनाने का समझौता किया।

राजनीति में माता-पिता तक जाना सियासी संस्कारों के खिलाफ - हरीश रावत

देहरादून, (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की तरफ से राहुल गांधी और उनके माता–पिता के संस्कारों पर उठाए गए सवाल पर कांग्रेस ने नाराजगी जताई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि राजनीति में माता–पिता तक जाना सियासी संस्कारों के खिलाफ है। अगर आप किसी के मां–बाप तक जाते हैं तो आपको उनके प्रति आदर और संस्कार ही व्यक्त करना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि पुष्कर सिंह धामी जिन लोगों के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं, उनका भारत की राजनीति में लंबा इतिहास है। राजनीतिक इतिहास में वो पुष्कर सिंह धामी से काफी आगे हैं। ऐसे में उनको गांधी परिवार से सीखना चाहिए और हमेशा अपने राजनीतिक विरोधी का आदर करना चाहिए। वहीं, कांग्रेस नेता आलोक शर्मा ने कहा कि पुष्कर सिंह धामी एक संवैधानिक पद पर बैठे हैं, उनको बयान देने से पहले सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और गांधी फैमिली ने हमेशा संस्कारों में बलिदान की बात की है। हमारे संस्कार बलिदानी के हैं। हमारे संस्कार देश के अंदर लोकतंत्र को मजबूत करने के हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम आरएसएस वाले संस्कारों से नहीं आए हैं।

श्रीराम जन्म भूमि के लिए संघर्ष में कभी पीछे नहीं हटे सिख : योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। सिख पंथ के नौवें गुरु और हिंद की चादर के नाम से विख्यात गुरु तेग बहादुर महाराज के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। ऐशबाग के डीएवी कॉलेज में आयोजित विशेष गुरुमति समागम में उन्होंने श्री गुरुग्रंथ साहिब के आगे माथा टेका और शबद कीर्तन सुने। उन्होंने कहा कि अयोध्या में जब–जब श्रीराम जन्मभूमि के लिए संघर्ष हुआ, तब–तब सिख गुरुओं, योद्धाओं, संतों, निहंगों, राजाओं और सामान्य नागरिकों ने बलिदान देने में एक क्षण भी नहीं सोचा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि पर भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सनातन के भगवा ध्वज का आरोहण मंदिर के शिखर

पर भव्य समारोह में हुआ है। यही वह भगवा ध्वज है, जिसकी रक्षा के लिए सिख गुरुओं की परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी बलिदान करती आई है। उन्होंने कहा कि याद करिए, वर्ष 1510 से 1515 के बीच गुरुनानक देव अयोध्या धाम में श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के दर्शन करने गए। वर्ष 1528 में बाबर के सिपहसालार ने मंदिर तोड़ा। उस समय गुरु नानक देव महाराज ने बाबर को जाबर कहकर उसके कुकृत्यों का विरोध किया था। उन्होंने गुरु तेग बहादुर महाराज, भाई मतिदास, भाई सती दास और भाई दयाला जी की स्मृति को नमन करते हुए कहा कि सत्य को कोई धूमिल नहीं कर सकता। सीएम ने कहा कि साम्राज्य आए गए, पीढ़ियां आई और गईं, मगर आस्था अडिग रही। इस के कारण आज हम अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि मंदिर की पूर्णता, धर्म ध्वजा की स्थापना और इस कार्यक्रम के आयोजन में शामिल हो पा रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री को गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी की ओर से सिरोपा, कृपाण और गुरु साहिब की फोटो भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राज्य सरकार के मंत्री सरदार बलदेव सिंह औलख, दानिश अंसारी, गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के डॉ. गुरमीत सिंह, डॉ. अमरजीत सिंह, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य परविंदर सिंह, सतनाम सिंह, दलजीत सिंह, मनमीत सिंह और आनंद मोहन तिवारी आदि उपस्थित रहे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन हम सबके लिए प्रेरणा का दिवस है। गुरु तेग बहादुर जी को इतनी यातनाएं इसलिए दी गईं, क्योंकि मुगलों ने पूरे भारत का इस्लामीकरण करने की मुहिम चला रखी थी।

जीरो टॉलरेंस पर है मोदी सरकार, वैश्विक समर्थन भारत को प्राप्त – अमित शाह

मुंबई, (एजेंसी)। मुंबई में 26/11 हमलों की 17वीं बरसी है, जिसे पाकिस्तान से आए लश्कर–ए–तैयबा के 10 आतंकवादियों ने अंजाम दिया था। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद पर भारत की 'जीरो टॉलरेंस पॉलिसी' पर जोर दिया। 10 आतंकवादियों का एक ग्रुप 26 नवंबर, 2008 की रात को समुद्री रास्ते से शहर में घुसा और अगले 60 घंटों तक एक के बाद एक कई हमले किए, जिसमें 166 लोग मारे गए और कई घायल हो गए। ताज और ओबेरॉय होटल, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, नरीमन हाउस में यहूदी सेंटर, कामा हॉस्पिटल, मेट्रो सिनेमा और लियोपोल्ड कैफे टारगेट में से थे, क्योंकि इन जगहों पर विदेशी यात्री अक्सर आते–जाते थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि मोदी सरकार की आतंकवाद को बिल्कुल न बर्दाश्त करने (जीरो–टॉलरेंस) की नीति स्पष्ट है और पूरा विश्व भारत के आतंकवाद रोधी अभियानों को सराह रहा है तथा उसे व्यापक समर्थन दे रहा है। मुंबई में 26ध्11 के आतंकवादी हमलों के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए बहुत बड़ा अभिशाप है। गृह मंत्री ने कहा, ''वर्ष 2008 में आज ही के दिन आतंकियों ने मुंबई पर कायराना हमला कर वीभत्स और अमानवीय कृत्य किया था।'' उन्होंने कहा, ''मुंबई आतंकी हमलों का डटकर सामना करते हुए अपना बलिदान देने वाले वीर जवानों को नमन करता हूं और इस कायराना हमले में अपनी जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।''

पीएम मोदी ने सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया के संयंत्र का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया के संयंत्र का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हैदराबाद स्थित जीएमआर एयरोस्पेस एंड इंडस्ट्रियल पार्क में सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया सुविधा का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि आज से भारत का विमानन क्षेत्र एक नई उड़ान भर रहा है। उन्होंने कहा कि सफ्रान की नई सुविधा भारत को वैश्विक एमआरओ केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि यह एमआरओ सुविधा उच्च तकनीक वाले एयरोस्पेस क्षेत्र में युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भारत में सफ्रान का निवेश इसी गति से जारी रहेगा। उन्होंने कहा, श्पिछले कुछ वर्षों में भारत का विमानन क्षेत्र अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ा है। आज भारत सबसे तेजी से बढ़ते घरेलू विमानन बाजारों में से एक है। हमारा घरेलू बाजार दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। उन्होंने कहा, श्भारत के लोगों की आकांक्षाएं नए आयाम छू रही हैं। इसलिए, भारत में हवाई यात्रा की मांग बढ़ रही है। हमारी एयरलाइंस लगातार अपने बेड़े का विस्तार कर रही हैं। भारतीय एयरलाइंस ने 1500 से ज्यादा नए विमानों का ऑर्डर दिया है। पीएम मोदी ने कहा, श्भारत के विमानन क्षेत्र के तेजी से विस्तार की वजह से रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल की जरूरतें बढ़ रही हैं। हमारे 85 फीसदी एमआरओ कार्य देश के बाहर होते रहे हैं। यह स्थिति भारत जैसे बड़े विमानन बाजार के लिए अच्छी नहीं थी। इसलिए, आज भारत सरकार देश को एक बड़े एमआरओ केंद्र के रूप में विकसित कर रही है। सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया के उद्घाटन के बाद पीएम मोदी ने कहा, आज का भारत न केवल बड़े सपने देख रहा है।

गुलामी की मानसिकता को खत्म करता है संविधान : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में बुधवार को संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आज के दिन 26 नवंबर 1949 में संविधान सभा के सदस्यों ने भारत संविधान के निर्माण का कार्य संपन्न किया था। आज के दिन हम भारत के लोगों ने अपने संविधान को अपनाया था। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, श्स्वाधीनता के बाद संविधान सभा ने भारत की अंतरिम संसद के रूप में भी कर्तव्य का निर्वाहन किया। बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर हमारे संविधान के प्रमुख निर्माता में से थे। बाबा साहब के 125 वीं जयंती के वर्ष में यानी 26 नवंबर 2015 में प्रतिवर्ष संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया था। राष्ट्रपति

ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान राष्ट्र की पहचान की आधारशिला है और गुलामी की मानसिकता को त्यागने तथा राष्ट्रवादी सोच अपनाने का मार्गदर्शक दस्तावेज भी है। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने तीन तलाक, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), अनुच्छेद 370 समेत कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि तीन तलाक से जुड़ी सामाजिक बुराई पर अंकुश लगाकर संसद ने हमारी बहनों और बेटियों के सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए। उन्होंने कहा कि जीसएटी के रूप में आजादी के बाद सबसे बड़ा कर सुधार देश के आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए लागू किया गया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 के खत्म होने से एक ऐसी बाधा हटी, जो देश के समग्र राजनीतिक एकीकरण में बाधा बन रही थी। राष्ट्रपति ने कहा, श्नारी शक्ति बंधन अधिनियम महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के एक नए युग की शुरुआत करेगा। इस वर्ष 7 नवंबर से हमारे राष्ट्रगान, वंदे मातरम की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा, श्महान विद्वानों, ड्राफ्टिंग कमिटी और संविधान सभा के सदस्यों ने करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए गहरी सोच दी। उनके बिना किसी स्वार्थ के योगदान ने भारत को आज दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाया है। हमारा संविधान समझ और अनुभव, त्याग, उम्मीदों और आकांक्षाओं से बना है। हमारे संविधान की आत्मा ने साबित कर दिया है।

डिफेंस इनोवेशन के सुनहरे दौर में भारत : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में इंडियन नेवी के स्वावलंबन सेमिनार के चौथे एडिशन के दौरान स्टार्ट–अप्स, एमएसएमई, एकेडेमिया, इंडस्ट्री पार्टनर्स और वेंचर कैपिटलिस्ट्स को संबोधित किया। उन्हों ने कहा कि भारत डिफेंस इनोवेशन के सुनहरे दौर में जा रहा है, और इसकी नींव हमारे इनोवेटर्स और युवा एंटरप्रेन्योर्स रख रहे हैं। ये इकोनॉमिक ताकत, स्ट्रेटेजिक सोच और टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट को जोड़ रहे हैं। उन्होंमने तेजी से बदलती दुनिया और लगातार बदलते जियोपॉलिटिकल माहौल में भारत को भविष्य के लिए तैयार रहने की जरूरत पर कहा कि भारत रिएक्टिव नजरिया नहीं अपना सकता है। उन्होंने इनोवेटर्स को नए समाधान लाने और देश को सिर्फ खरीदार नहीं बल्कि एक बिल्डर, क्रिएटर और लीडर के तौर पर उभरने में मदद करने का क्रेडिट दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज देश में स्वदेशीकरण

का आंदोलन देखा जा रहा है। यह सिर्फ पॉलिसी की वजह से नहीं है। यह सभी स्टेकहोल्डर्स की कड़ी मेहनत की वजह से है, और इसी का नतीजा है कि भारत एक इंपोर्टर से टेक्नोलॉजी एक्सपोर्टर बनने की दिशा में बड़े कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि नेवी के साथ हमारे इनोवेटर्स के योगदान की वजह से भारत आज एक समुद्री ताकत के तौर पर उभर रहा है। राजनाथ सिंह ने रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में नए आयामों के उभरने पर विचार साझा करते हुए प्राइवेट सेक्टर से प्रॉफिट–प्लस नजरिया अपनाने और ऐसे प्लेटफॉर्म और सिस्टम बनाने की अपील की, जो भारत पर दुनिया के भरोसे का प्रतीक बनें। उन्होंने कहा कि प्रॉफिट प्लस अप्रोच में मॉनिटर प्रॉफिट, नेशनलिज्म, ड्यूटी की भावना और स्ट्रेटेजिक जिम्मेदारी शामिल है। हमारा लक्ष्य सिर्फ इकोनॉमिक एक्टिविटी तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसे एक नेशनल मिशन माना जाना चाहिए। प्राइवेट इंडस्ट्री को अपनी भूमिका बढ़ानी चाहिए और नेशनल इंटरेस्ट को ध्यान में रखते हुए प्रोडक्शन, टेक्नोलॉजी, डिजाइन और इनोवेशन में नई स्पीड से आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने प्राइवेट सेक्टर से आने वाले सालों में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में अपना कंट्रीब्यूशन 50 प्रतिशत या उससे ज्या दा करने की भी अपील की। रक्षा मंत्री ने इंपोर्ट किए ।

संविधान दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने याद दिलाए नागरिक कर्तव्य

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संविधान दिवस पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय संविधान बनाने वालों को श्रद्धांजलि दी, उनके विजन और नागरिक कर्तव्यों के महत्व पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि संविधान, हमें अधिकार देता है। यह हमें यह भी याद दिलाता है कि नागरिक के तौर पर हमारे कुछ कर्तव्य हैं। हमें हमेशा उन कर्तव्यों को पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को नागरिकों से अपने संवैधानिक कर्तव्यों को निभाने का आग्रह किया और कहा कि ये मजबूत लोकतंत्र की नींव हैं। संविधान दिवस पर नागरिकों को संबोधित पत्र में प्रधानमंत्री ने मताधिकार का प्रयोग करके लोकतंत्र को मजबूत करने की जिम्मेदारी पर भी जोर दिया और सुझाव दिया कि स्कूल और कॉलेज 18 वर्ष की आयु पूरी करके पहली बार मतदाता बनने वालों का सम्मान करते हुए संविधान दिवस मनाएं। पीएम मोदी ने महात्मा गांधी के इस विचार को याद किया कि अधिकार कर्तव्यों के निर्वहन से ही प्राप्त होते हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि कर्तव्यों का निर्वहन सामाजिक और आर्थिक प्रगति का आधार है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि नीतियां और आज लिए गए निर्णय आने वाली पीढ़ियों के जीवन को आकार देंगे। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से आग्रह किया कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए वे अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि रखें। मोदी ने 'एक्स' पर एक अलग पोस्ट में लिखा, ''हमारा संविधान मानवीय गरिमा, समानता और स्वतंत्रता को सर्वोच्च महत्व देता है। यह हमें अधिकारों से सशक्त बनाता है, साथ ही हमें नागरिक के रूप में हमारे कर्तव्यों की भी याद दिलाता है, ।

एसआईआर के पीछे असली मंशा एनआरसी, सीएम ममता बनर्जी का बड़ा बयान

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को दावा किया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के पीछे असली मंशा एनआरसी है। संविधान दिवस के अवसर पर रेड रोड स्थित बी.आर. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए बनर्जी ने कहा कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी लोगों की नागरिकता पर सवाल उठाया जा रहा है। एक दिन पहले एक्स पर एक पोस्ट में सीएम ममता ने कहा कि जब लोकतंत्र दांव पर हो, धर्मनिरपेक्षता खतरे में हो और संघवाद को ध्वस्त किया जा रहा हो, तो लोगों को संविधान से मिले मूल्यवान मार्गदर्शन की रक्षा करनी चाहिए। सीएम बनर्जी ने कहा कि संविधान राष्ट्र की रीढ़ है, जो भारत की संस्कृतियों, भाषाओं और समुदायों की विविधता को कुशलतापूर्वक एक साथ पिरोता है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, श्इस संविधान दिवस पर मैं हमारे महान संविधान और भारत में हमें जोड़ने वाले महान दस्तावेज के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले राज्यसभा सचिवालय ने सदस्यों को संसदीय शिष्टाचार और अनुशासन को लेकर नया बुलेटिन जारी किया है। इस बुलेटिन में सदन की गंभीरता बनाए रखने के लिए नारेबाजी समेत जय हिंद, वंदे मातरम, थैंक यू जैसे शब्दों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इसे लेकर सवाल पूछे जाने पर मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा, अब आप सोचिए, देश में क्या चल रहा है।

आईआईटी बॉम्बे के नाम पर राजनीति केंद्रीय मंत्री के बयान पर बिफरे राज ठाकरे

मुंबई , (एजेंसी)। महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव होने हैं। इस बीच आईआईटी बॉम्बे का नाम चर्चा में आ गया है। दरअसल महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता राज ठाकरे ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के एक बयान पर तीखी टिप्पणी की और केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जितेंद्र सिंह का बयान सरकार की सोच दिखाता है। दरअसल केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बॉम्बे में आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत की और इस दौरान अपने संबोधन में कहा था, जहां तक आईआईटी बॉम्बे की बात है, भगवान का शुक्र है कि इसका नाम अभी भी यही है। आपने इसे बदलकर मुंबई नहीं किया है। यह आपकी एक और तारीफ है और मद्रास की भी क्योंकि वह भी

मद्रास ही रहेगा। केंद्रीय मंत्री के बयान पर तीखी टिप्पणी करते हुए राज ठाकरे ने कहा कि मंत्री का बयान साफ तौर पर सरकार की सोच की निशानी लगता है। मनसे प्रमुख ने एक्स पर साझा एक पोस्ट में कहा कि मुंबई, जो हमेशा से मराठी लोगों का रहा है, उसे महाराष्ट्र से अलग करने की साजिश को मराठी नेताओं और जनता ने नाकाम कर दिया। राज ठाकरे ने लिखा, हमारी मराठी मुंबई, महाराष्ट्र में ही रही। दशकों से इनके पेट में जो कड़वाहट भरी हुई थी, वह अब एक बार फिर बाहर निकलने लगी है। मुंबई के लोगों और पूरे मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में रहने वाले सभी मराठी लोगों को अब अपनी आंखें खोल लेनी चाहिए। मुंबई नाम उन्हें (सत्तारूढ़ सरकार को) परेशान करता है क्योंकि इसका नाम मुंबई की असली देवी मुंबादेवी के नाम पर रखा गया है। उनके बच्चे मराठी लोग हैं जो पीढ़ियों से यहां रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्केंद्र सरकार ने चंडीगढ़ को पंजाब के नियंत्रण से छीनने की कोशिश की, लेकिन बाकी सभी पार्टियों के विरोध के बाद सरकार पीछे हट गई। ठाकरे ने कहा, मुंबई के मामले में भी कुछ ऐसा ही हो रहा है।

संपादकीय

देश की जोखिम बढ़ता जाएगा

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान कॉरपोरेट अधिकारियों के साथ एक सेमीनार में शामिल हुए। वहां उन्होंने जो भाषण दिया, उससे रक्षा उत्पादन में कॉरपोरेट सेक्टर के प्रदर्शन पर सेना में बढ़ते असंतोष की झलक मिली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कॉरपोरेट सेक्टर से कहा है कि मुनाफा प्रेरित अपने कारोबार में वे कुछ राष्ट्रवाद एवं देश–भक्ति भी दिखाएं। जनरल चौहान कॉरपोरेट अधिकारियों के साथ एक सेमीनार में शामिल हुए। वहां उन्होंने जो भाषण दिया, उससे रक्षा उत्पादन में कॉरपोरेट सेक्टर के प्रदर्शन पर सेना में बढ़ते असंतोष की झलक मिली। यहां ऑपरेशन सिंदूर के कुछ ही दिन बाद दिया गया वायु सेनाध्यक्ष एयर मार्शल एपी सिंह का एक भाषण सहज याद आया, जिसमें उन्होंने रक्षा आपूर्ति में देर से सैनिकों के लिए पैदा होने वाले जोखिम का जिक्र किया था। देर का उल्लेख सीडीएस ने भी किया। इसके साथ उन्होंने दो और मुद्दे उठाएरू इनमें एक है उत्पादन के पूर्णतरू देसी होने के दावे और हकीकत के बीच फर्क का। दूसरा है कीमत का। जनरल चौहान ने कहा कि कंपनियों को उत्पाद के देसी होने के संबंध में सच बोलना चाहिए। ऐसा हुआ है, जब कोई उत्पाद यह कह कर बेचा गया कि वह 70 प्रतिशत देसी है, मगर हकीकत में ऐसा नहीं था। सीडीएस के मुताबिक यह पहलू अहम है, क्योंकि इसका संबंध सुरक्षा से है। संभवतरू उनका इशारा इस ओर था कि विदेशी उपकरणों के हैक होने या उनसे सूचनाएं उनके स्रोत देश में पहुंच जाने की आशंका रहती है। ऐसे उपकरणों का इस्तेमाल कंपनियां इसलिए करती हैं, क्योंकि वे किफायती पड़ती हैं। कीमत के मुद्दे पर सीडीएस ने कंपनियों को सलाह दी कि वे प्रतिस्पर्धी लागत से उत्पाद तैयार करें, ताकि विदेशों में भी उनको बाजार मिल सके। ये सब बातें तब कही गई हैं, जब भारत में रक्षा उत्पादन के उत्तरोत्तर निजीकरण एवं रक्षा निर्यात बढ़ने की कहानियां चर्चा में हैं। मगर उनसे भारत की सुरक्षा को कितनी मदद मिली है, यह सेना के सर्वोच्च पदों पर बैठे अधिकारी सार्वजनिक रूप से बता रहे हैं। वे वह कह रहे हैं, जो उनका अनुभव है। वे वो सलाह दे रहे हैं, जो उनके दायरे में है। नीति निर्माता इससे सबक लें तो यह देश के लिए बेहतर होगा। वरना, ना सिर्फ सैनिकों, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी जोखिम बढ़ता जाएगा।

भारतीय परम्पराओं का अनुपालन कर हमें संयुक्त परिवारों को बचाना होगा

प्रह्लाद

भारत की आर्थिक प्रगति को रोकने, कम करने अथवा प्रभावित करने के उद्देश्य से दरअसल, चार शक्तियों ने हाथ मिला लिए हैं। ये चार शक्तियां हैं, कट्टरवादी इस्लाम, प्रसारवादी चर्च, सांस्कृतिक मार्क्सवाद एवं वैश्विक बाजार शक्तियां। हालांकि उक्त चारों शक्तियों की अन्य देशों में आपसी लड़ाई है परंतु भारत के मामले में यह एक हो गई हैं और भारत में यह आपस में मिलकर भारत के हितों के विरुद्ध कार्य करती हुई दिखाई दे रही हैं। इसी संदर्भ में आज वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध कई झूठे विमर्श भी गढ़े जा रहे हैं। हाल ही के समय में इस प्रक्रिया ने कुछ रफ्तार पकड़ी है। विमर्श के माध्यम से जनता के मानस को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। विमर्श सत्य, अर्द्धसत्य अथवा झूठ भी हो सकता है। भारत के बारे में पूरे विश्व में धारणा है कि यहां आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा रही है। परंतु, अब पूरे विश्व में विशेष रूप से भारत के संदर्भ में पुराने विमर्श टूट रहे हैं और नित नए विमर्श गढ़े जा रहे हैं। भारत चूंकि, हाल ही के समय में वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आर्थिक ताकत बन कर उभर रहा है, भारत की यह प्रगति कुछ देशों को रास नहीं आ रही है एवं यह सभी मिलकर भारत के सम्बंध में झूठे विमर्श गढ़ रहे हैं। पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच, चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है। इस्लाम एवं ईसाईयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता है। जो कुछ भी करना है वह इसी जन्म में करना है। इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति पुनर्जन्म में विश्वास करती है इससे भारतीय नागरिकों द्वारा उपभोग में संयम बरता जाता है एवं उत्पादन में बहुलता होने की विचारधारा पर कार्य करते हुए दिखाई देते हैं। ईश्वर से प्रार्थना की जाती है कि "प्रभु इतना दीजिए कि मैं भी भूखा ना रहूं और अन्य कोई भी भूखा ना सोय", यह भारतीय विचारधारा है। भारतीय सनातन संस्कृति की विचारधारा के ठीक विपरीत आज वैश्विक बाजार शक्तियां भारत में भी उपभोक्तावाद को फैलाने का प्रयास कर रही हैं। विशेष रूप से दीपावली एवं रक्षाबंधन जैसे शुभ त्यौहारों के अवसर पर "कुछ मीठा हो जाए" जैसे विज्ञापन देकर यह विमर्श खड़ा करने का प्रयास किया जाता है कि भारतीय मिठाइयों एवं व्यंजनों जैसे जलेबी, इमरती तथा दूध एवं खोए से बनी मिठाईयां खाने से मधुमेह का रोग हो जाता है, अतः सदियों से भारत में उपयोग हो रहे इन स्वादिष्ट व्यंजनों के स्थान पर केडबरी चाकलेट अधिक स्वास्थ्यवर्धक है, जिसका अधिक उपयोग करना चाहिए। इस प्रकार, भारी भरकम राशि खर्च कर, विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा निर्मित मीठे पदार्थों को, विभिन्न विज्ञापनों के माध्यम से भारतीय समाज के मानस पर उतारने का प्रयास किया जाता है। साथ ही, विभिन्न भारतीय त्यौहारों के समय वैश्विक बाजार शक्तियों द्वारा यह भी कह कर कि, "दीपावली के शुभ अवसर पर जलाए जाने वाले फटाके पर्यावरण का नुक्सान करते हैं"य "होली पर्व पर भारी मात्रा में पानी की बर्बादी की जाती है"य "महाशिवरात्रि पर्व पर दूध की बर्बादी की जाती है"य "माई बॉडी माई चोईस"य "हमको भारत में रहने में डर लगता है"य आदि विमर्श स्थापित करने का प्रयास किया जाता है। कुल मिलाकर पश्चिमी देशों द्वारा आज भारतीय सनातन संस्कृति पर आधारित हिन्दू परम्पराओं पर लगातार प्रहार किए जा रहे हैं। भारतीय सनातन संस्कारों के अनुसार भारत में कुटुंब को एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में स्वीकार किया गया है एवं भारत में संयुक्त परिवार इसकी परिणती के रूप में दिखाई देते है। परंतु, पश्चिमी आर्थिक दर्शन में संयुक्त परिवार लगभग नहीं के बराबर ही दिखाई देते हैं एवं विकसित देशों में सामान्यतः बच्चों के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही, वे अपना अलग परिवार बसा लेते हैं तथा अपने माता पिता से अलग मकान लेकर रहने लगते हैं। इस चलन के पीछे संभवत आर्थिक पक्ष इस प्रकार जुड़ा हुआ है कि जितने अधिक परिवार होंगे उतने ही अधिक मकानों की आवश्यकता होगी, कारों की आवश्यकता होगी, टीवी की आवश्यकता होगी, फ्रिज की आवश्यकता होगी, आदि। लगभग समस्त उत्पादों की आवश्यकता इससे बढ़ेगी जो अंततः मांग में वृद्धि के रूप में दिखाई देगी एवं इससे इन वस्तुओं का उत्पादन बढ़ेगा। ज्यादा वस्तुएं बिकने से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लाभप्रदता में भी वृद्धि होगी। कुल मिलाकर इससे आर्थिक वृद्धि दर तेज होगी। विकसित देशों में इस प्रकार की मान्यताएं समाज में अब सामान्य हो चलीं हैं। अब बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में भी प्रयासरत हैं कि किस प्रकार भारत में संयुक्त परिवार की प्रणाली को तोड़ा जाय ताकि परिवारों की संख्या बढ़े एवं विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़े और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री बाजार में बढ़े। इसके लिए बहुराष्ट्रीय कम्पनियां इस प्रकार के विभिन्न सामाजिक सीरियलों को बनवाकर प्रायोजित करते हुए टीवी पर प्रसारित करवाती हैं जिनमे संयुक्त परिवार के नुक्सान बताए जाते हैं एवं छोटे छोटे परिवारों के फायदे दिखाए जाते हैं। सास बहू के बीच, ननद देवरानी के बीच, दो बहिनों के बीच, पड़ोसियों के बीच, छोटी छोटी बातों को लेकर झगड़े दिखाए जाते हैं एवं जिनका अंत परिवार की टूट के रूप में बताया जाता है, ताकि भारत में भी पूंजीवाद की तर्ज पर व्यक्तिवाद को बढ़ावा मिल सके। भारत एक विशाल देश है एवं विश्व में सबसे बड़ा बाजार है, बहुराष्ट्रीय कम्पनियां यदि अपने इस कुचक्र में सफल हो जाती हैं तो उनकी सोच के अनुसार भारत में उत्पादों की मांग में बेतहाशा वृद्धि हो सकती है, इससे विशेष रूप से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को सीधे सीधे फायदा होगा। इसी कारण के चलते आज जोर्ज सोरोस जैसे कई विदेशी नागरिक अन्य कई विदेशी संस्थानों एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के साथ मिलकर भारतीय संस्कृति पर हमला करते हुए दिखाई दे रहे हैं एवं भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। पश्चिमी देशों के नागरिकों के लक्ष्य भौतिक (जड़) हो रहे हैं और चेतना कहीं पीछे छूट रही है। केवल आर्थिक विकास अर्थात अर्थ का अर्जन करना ही जैसे इस जीवन का मुख्य उद्देश्य हो। परंतु, भारत के नागरिक सनातन संस्कृति का अनुसरण करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के अहसास के प्रति भी सजग दिखाई देते हैं, अर्थात उनमें चेतना के दर्शन भी होते हैं। अब हम समस्त भारतीय नागरिकों को वैश्विक बाजार शक्तियों द्वारा फैलाए जा रहे उक्त वर्णित जाल में नहीं फंसते हुए, हमारे अपने भारतीय व्यंजनों का भरपूर आनंद उठाते हुए अपनी भारतीय परम्पराओं का अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए। हमें अपने जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में केवल स्वदेशी उत्पादों का ही उपयोग करना चाहिए चाहे वह तुलनात्मक रूप से थोड़ा महंगा ही क्यों न हो। उदाहरण के तौर पर हमारे जीवन में रोजाना उपयोग होने वाले कुछ उत्पादों के नाम यहां पर दिए जा सकते हैं, जिनका उत्पादन सदियों से भारत में ही पर्याप्त मात्रा में होता चला आया है। केवल और केवल भारतीय कम्पनियों द्वारा निर्मित इन उत्पादों का उपयोग एवं विदेशी कम्पनियों द्वारा निर्मित इन उत्पादों का उपयोग नहीं करने की शपथ ली जानी चाहिए।

कांग्रेस को अब आत्ममंथन की जरूरत नहीं

श्रुति व्यास

कांग्रेस को अब आत्ममंथन की जरूरत नहीं है बल्कि कायाकल्प याकि राजनीतिक पुनर्जन्म, या फिर एक शांत, गरिमापूर्ण राजनैतिक मौत की जरूरत है। लोकसभा चुनावों को डेढ़ वर्ष बीते हैं। और इस दौरान कांग्रेस हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली तथा अब बिहार में हारी है। श्हारत्य कहना भी नरम शब्दों में बात रखना है। ग्यारह वर्षो से यह पार्टी सिफर्हार ही नहीं रही हैय वह धीरे–धीरे सड़ और गल भी रही है। फिर भी, गांधी परिवार ने बुजुर्ग मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे खंडहरों का रखवाला बनाकर हकीकत को नकारा हुआ है। मानों जैसे कांग्रेस के कैलेंडर में अभी भी वर्ष 2004 दर्ज हो। राहुल गांधी और उनके इनर सर्कल (यदि कोई है तो) की मौजूदा तेज, फुर्तीली, स्पर्धात्मक दुनिया में ले दे कर मैराथन दौड़ वाली चाल हैंकृधीमे, गंभीर, शायद नैतिक, लेकिन वक्त के साथ पूरी तरह बेमेल। इसलिए क्योंकि समय स्प्रिंट का है जबकि कांग्रेस अपनी ही थकाऊ लय में दबी पड़ी है। बिहार में जो हुआ, वह सिफर्चुनावी गणित या किसी गठबंधन की टिकाऊ शक्ति का कमाल नहीं है। यह उस राजनीतिक समय, संस्कृति का प्रमाण है जिसे भाजपा ने साधा हुआ है और कांग्रेस जिसे अब भी समझ नहीं पा रही। नरेंद्र मोदी भाजपा मतदाताओं से बीते कल को याद करने की अपील नहीं करतेय वह उन्हें भविष्य की कल्पना करने को कहते हैकृचाहे वह विवादित हो, असमान हो, जोखिमभरी हो। इसके उलट कांग्रेस अब भी एक मुक्तिकार की भाषा बोलती हैकृजैसे भारत उसके इंतजार में बैठा हो और वही आकर उसे बचाएगी। लोकसभा 2024 के समय राजनीतिक विमर्श में एक दरार थी। लेकिन दरारें खुद–ब–खुद क्रांतियाँ नहीं बनतीं। उन्हें ढांचा चाहिए, निरंतरता चाहिए, और उसे ऐसे विपक्ष की जरूरत होती है जो यह जानता हो कि वह वर्तमान को किस भविष्य से बदलना चाहता है, न कि केवल किसे हटाना है। यहीं पर कांग्रेस कमजोर पड़ती हैकृउसके पास भविष्य की कोई थ्योरी, कोई नारा, कोई झांसा भी नहीं है। एक दशक से राहुल गांधी खुद को भारतीय गणराज्य, संविधान के संरक्षक, संस्थाओं के प्रहरी की तरह प्रस्तुत करते आ रहे हैं। जबकि अब वह पीढ़ी है, वह भीड़ है जो डेटा लीक, एग्जाम स्कैम, घटते रोजगार, और कमजोर इंटरनेट में बफरिंग करती लोकतंत्र के बीच पली हैकृवह संरक्षकों पर भरोसा नहीं करती। उसे न व्यवस्था के चौकीदार चाहिए, न अतीत की नैतिकता दोहराने वाले नेता। यह पीढी भीड के शौर को साधने वाले कोरियोग्राफर चाहती हैकृजो पहले से घूमती दुनिया को दिशा दे सके। यह पीढ़ी सिफर्ईमानदार, उजले, सफेद टी–शर्ट में सिद्धांतों की बात करने वाले नेता से प्रभावित नहीं होती। वह एक ऐसा हीरो चाहती है जो मंच पर खून–पसीना बहाता दिखे, जो शक्ति को सिर्फ वादा नहीं, प्रदर्शन, लीला के रूप में पेश करे। उसे जिम में बंद दरवाजों के पीछे किए गए पुश–अप्स नहीं, बल्कि राजनीति के केंद्र–मंच पर ऊँची किक मारता, मीम–रेडी, लाइव–टेलीविज्ड योद्धा, हुंकारा मारने वाला नेता चाहिए। जबकि राजनीति के इस एड्रेनालिन बाजार में कांग्रेस अब भी जमीर, नैतिकता बेचने निकली है। एक ऐसी पीढ़ी के बीच जो तमाशा खरीदने को प्रशिक्षित हो चुकी है। जबकि प्रधानमंत्री मोदी, अपने तमाम विरोधाभासों के बावजूद, अब भी परिवर्तन के वोल्टेज में बाते और संवाद करते हैं। वही राहुल गांधी संविधान की किताब दिखाते है। बिहार के नतीजों ने यह बात और दुखद रूप से साफ कर दी। नेपाल की युवा बगावत के बाद राहुल गांधी ऐसे बोले जैसे त्रद्गठ्ठ किसी मानसूनी तूफान की तरह भारतीय राजनीति में प्रवेश कर चुका हो। अचानक उन्हें लगने लगा कि वोट चोरी इस बेचौन पीढ़ी का नया राष्ट्रगान है। लेकिन सच्चाई अलग ही थी, तभी समझ नहीं आता उन्हें कौन सलाह दे रहा है? पटना या पूर्णिया में हॉस्टल के बरामदों में बैठे, या चाय–स्टॉल पर रील्स स्क्रॉल करते युवाओं में कितने लोग सोच रहे हैं कि यह चुनाव ईवीएम साजिश पर टिका है? जेन जेड तो यह मानकर चलता है कि पूरा गेम ही पहले से रिग्ड है। यह पीढ़ी एक ऐसे भारत में पली है जहाँरू एग्जाम पेपर लीक हो जाते हैं (कोई बड़ी बात नहीं) , नौकरियाँ सिकुड़ती जाती हैं, किराए बढ़ते जाते हैं, नीट–यूजी ढह जाता है, पर क्या फर्क पडता है? इतना ही नहीं छात्र आत्महत्याएँ भी दुखद मौसम बनती जा रही हैं। पर विचलित कौन होता है? उनकी राजनीति मेम्स, स्क्रीनशॉट्स, लीक्स और लेट–नाइट डिस्कॉर्ड कॉल्स से बनती हैकृन कि उन भाषणों से जो स्कूल–प्रिंसिपल के स्वर में दिए जाएँ। कांग्रेस इस सबको नहीं समझती, या गांधी परिवार में कोई समझाता नहीं। न उसका पुराना नेतृत्व, न उसका नया। इसलिए वह अब भी एक एलीट क्लब की तरह है, न कि राजनीति का घर। यही वजह है कि तेजस्वी यादव भी इस युवा मतदाता को पूरी तरह पकड़ नहीं सके। जेन जेड उन्नति चाहता हैकृलेकिन नैतिक घबराहट की कीमत पर नहीं। उसे ऐसी भाषा, ऐसा नेतृत्व, और फटाफट उसकी टूटती–फूटती दुनिया को समझने और वादा करने की हवाबाजी चाहिए। जेन जेड किसी उद्धारकर्ता का इंतजार नहीं कर रहा। वह चाहता है कि उसे और उसके मीम्स समझे जाए।

भर गये सदियों के घाव, आस्था का हो रहा विजयगान, केसरिया ध्वज लहराते ही नया युग शुरू

निरज

आज अयोध्या की धरती पर एक ऐसा क्षण उत्पन्न हुआ जो केवल ईंट–पत्थर और वास्तुकला का नहीं, बल्कि पीढ़ियों की आस्था, अनवरत संकल्प और सामूहिक स्मृति का साक्षी बना। जब केसरिया धर्मध्वज गर्व से श्रीराम जन्मभूमि के शिखर पर लहरा उठा, तो वह केवल एक ध्वज नहीं थाकृ वह सैकड़ों वर्ष के अरसे से बँधी हुई वेदना का, अटूट विश्वास का और उन अनगिनत लोगों के संघर्ष का प्रतीक बन गया जो इस पवित्र भूमि को पुनः उसकी गरिमा प्रदान करने के लिये अग्रसर थे। विवाह पंचमी के अभिजीत मुहूर्त पर, वैदिक मंत्रों की गूँज और 'जय श्रीराम' के उद्घोष के बीच जो आराधना हुई, वह व्यक्तिगत श्रद्धा से ऊपर उठकर राष्ट्र के सांस्कृतिक स्मरण का साझा अनुष्ठान बन गई। मंदिर के चारों ओर निर्मित परकोटे की शिल्पकला, मुख्य मंदिर की दीवारों पर उकेरे गए 87 प्रसंग और कॉपर–शिल्प की 79 समृद्ध झांकियाँ, यह सब केवल स्थापत्य कौशल का प्रदर्शन नहीं, बल्कि रामकथा के विविध आयामों का मूर्त रूप हैं जो हमारी परंपरा की बहुरंगी विविधता को दर्शाते हैं। यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं रहाय यह उन अनेकों साधना–यात्रियों, संतों, पुरोहितों, शिल्पकारों, वास्तुकारों, अनुगामियों, श्रमिकों और दानदाताओं की कहानियों का संगम रहा जिनकी तपस्या और त्याग भारत के इतिहास में विशेष स्थान रखते हैं। जिन लोगों ने वर्षों, दशकों तक अपनी ऊर्जा समर्पित की, वह आज जहां भी रहे हों, उनके मन में आज निश्चित रूप से आत्म–संतोष का भाव रहा होगा। साधु–संतों की भक्ति–भाषाएँ, श्रद्धालुओं की भीड़ और नगरवासियों की आतिथ्य–भावना ने भी यह प्रमाणित किया कि आस्था और सामूहिक विश्वास किस तरह किसी स्थान की आत्मा को पुनर्जीवित कर सकते हैं। नया ध्वजारोहण केवल अतीत का जश्न नहीं हैय यह भविष्य की दिशा का संकेत भी है। आज की अयोध्या, जहाँ प्राचीन रामकथा और आधुनिक योजनाओं का अप्रत्याशित संगम दिख रहा है, वह इस बात का उदाहरण है कि विरासत और विकास साथ–साथ फल–फूल सकते हैं। महर्षि वाल्मीकि हवाई अड्डे से लेकर आधुनिकीकरण किए गए रेलवे टर्मिनलों, रामपथ और भक्ति–पथ तक, ये सब उस दृष्टि का हिस्सा हैं जो तीर्थ को वैश्विक रूप से सुलभ, सुरक्षित और आदर्श–आधारित बनाने की कल्पना करती है। इस पवित्र क्षण पर, हमें उन अनगिनत नामरहित कर्मयोगियों को भी याद करना चाहिए जिनका श्रम बिना किसी प्रचार–प्रसार के मंदिर निर्माण को साकार करने में सहायक रहा। वे श्रमिक जिनके हाथों ने पत्थरों को संवाराय वे शिल्पकार जिनकी कला ने कथानक को जीवन दियाय वे पुरोहित, संत और पंडित जिनके अनुष्ठानिक ज्ञान ने मार्ग दिखायाय और वे स्वयं सेवक व आयोजक जिनकी रात–दिन की मेहनत ने समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की, इन सबका आभार केवल शब्दों में सीमित नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही राम मंदिर आंदोलन के नेतृत्वकर्ताओं, भागीदारों तथा श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के संकल्प को सिद्ध करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता के बिना आज के इस दिन की कल्पना करना संभव नहीं था। आज, उन समुदायों और परिवारों का भी अभिवादन आवश्यक है जो शांतिपूर्ण और संयत भाव से इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बने रहे। भीड़ के उत्साह में जो संयम और अनुशासन दिखा, वह सामाजिक सहिष्णुता और साझा गर्व का प्रतीक था। संतों के भावपूर्ण शब्दों ने इस क्षण को दैवीयता का अनुभाव बना दिया और भक्तों की आशा–आभा ने यह संकेत दिया कि यह भूमि अब एक नए अध्याय में प्रवेश कर रही हैकृ जहाँ आध्यात्मिकता और सामाजिक विकास साथ–साथ आगे बढ़ने का वादा करते हैं। आज का दिन हमें यह भी संदेश देता है कि किसी भी महान लक्ष्य की पूर्ति के लिये संकल्प, सहनशीलता और सामूहिक भागीदारी अनिवार्य हैं। बहरहाल, जब केसरिया ध्वज आकाश में लहरा रहा था, तब उसके साथ एक नयी आशा भी ऊँची हुई कि यह स्थान उन मूल्यों का प्रसार भी करेगा जो व्यक्ति को नैतिक, दयालु और समाज–प्रेरित बनाते हैं। अयोध्या की यह गाथा निश्चित रूप से आने वाली पीढ़ियों को श्रद्धा, सेवा, समर्पण और साझा–सपनों के लिये प्रेरित करेगी।

संविधान में लिखे शब्द नहीं, उसके भाव और नैतिकता महत्वपूर्ण

सुनील

भारतीय संविधान विविधता और अनेकता में एकता का अनुकरणीय उदाहरण है, जो विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों, जातियों, भाषाओं, पहनाओं और परंपराओं के लोगों को एक साथ परस्पर, प्रेम, भाईचारे और सद्भाव के साथ रहने का संदेश देता है। नैतिकता महत्वपूर्ण है, जिसे अपनाकर आगे बढ़ा जा सकता है। –मदन बी. लोकुर, सेवानिवृत जस्टिस, सुप्रीम कोर्ट आज 26 नवंबर है, वो ऐतिहासिक दिन जिसे हम संविधान दिवस के रूप में मनाते हैं। यह वह दिन है, जब सन् 1949 को देश का अपना संविधान बनकर तैयार हुआ था। 26 जनवरी

संविधान की प्रस्तावना की पहली पंक्ति ही है–श्हम, भारत के लोगश्, यह वाक्यांश ही स्पष्ट कर देता है कि भारत का संविधान अपने अधिकार और वैधता लोगों से प्राप्त करता है। में एक अच्छा संविधान मिला है, पर यह हमारे नेताओं पर निर्भर करता है कि वो कैसे संविधान को आगे बढ़ाएं। वो अच्छे संविधान को बुरा बना सकते हैं और एक बुरे संविधान को भी अच्छा बना सकते हैं। संविधान एक दृष्टिकोण है, एक रोशनी है, जो हमें, देश को आगे बढ़ा सकता है। संविधान के दस्तावेज में हर शब्द नहीं लिखा जा सकता है, लेकिन उसके भाव और 1950 को इसे लागू किया गया। भारत के संविधान को दुनिया को अनूठा संविधान भी माना जा सकता है। दरअसल यह केवल व्यक्ति के अस्तित्व, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता और गरिमा का ही ध्यान नहीं रखता है, बल्कि पूरे विश्व, महाद्वीप और प्रकृति के संरक्षण और मानवता की बात भी करता है। हम जब देश के संविधान बनने के सफरनामे, उसकी प्रक्रिया पर नजर डालते हैं तो पाते हैं, कि यह केवल एक कानूनी, अनुच्छेदों से भरा एक दस्तावेज मात्र नहीं हैं, बल्कि इसमें शामिल हर पंक्ति के पीछे सामाजिक, आर्थिक बदलाव, सुधार के ठोस तर्क मौजूद हैं। संविधान बनाने वालों ने भारतीय समाज की बुराईयों और विसंगतियों को छिपाने की कोशिश नहीं की। भारत के लोग जिन बुनियादी अधिकारों से वंचित थे, उनका पूरा संरक्षण करने वाली व्यवस्था बनाने की पहल इस संविधान में की गई। भारतीय संविधान की विकास यात्रा, तथ्य और तर्कों पर लिखी पुस्तकों का अध्ययन करने पर पाते हैं कि भारत का संविधान कोई एक बार की पहल में लिखा गया संविधान नहीं है, इसके पीछे सवा सौ सालों के सामाजिक सुधार के अभियानों, ब्रिटिश सरकार द्वारा डेढ़ सौ सालों में बनाये गये अलग–अलग कानूनों के अनुभव और राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलनकारियों के द्वारा 50 सालों में बनाये गये अलग–अलग प्रारूप खड़े हुए हैं। हमारे संविधान को बनाने में उन्नीसवीं सदी की शुरूआत से हुए सामाजिक सुधार आंदोलन मील का पत्थर साबित हुए। इन पहलों ने भारतीय समाज में यह चेतना जागृत करना शुरू की कि भारत में ऐसी संवैधानिक व्यवस्था होनी चाहिए, जो आपसी प्रेम को बढ़ावा दे और शोषणकारी व्यवस्था को समाप्त करे और न्याय की अवधारणा को स्थापित करे। इसमें सेरामपुर मिशन प्रेस के माध्यम से सन् 1800 में बंगाल में जन शिक्षण को बढ़ावा देने की पहल, 1828 में राजा राममोहन राय द्वारा की गई सती प्रथा और बाल विवाह की कुरीतियों को समाप्त करने के लिए समाज सुधार की पहल, 1848 में सावित्री बाई फुले द्वारा महिलाओं के लिए पहला स्कूल खोलने और 1853 में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए बाल हत्या प्रतिबंध गृह खोलने की पहल, 1873 में ज्योतिबा फुले द्वारा समाज में जाति व्यवस्था को समाप्त करने के उद्देश्य से की गई सत्य शोधक समाज की स्थापना, महिलाओं को शोषण से मुक्त कराने की पहल को हम सब जानते हैं। इसके अलावा ईश्वरचंद्र विद्यासागर की कोशिशों से हिन्दू पुनर्विवाह अधिनियम, विधवा पुनर्विवाह अधिनियम 1856 बना। वर्ष 1882 में रमाबाई के आर्य महिला समाज संगठन के माध्यम अनाथ संरक्षण और बालिका शिक्षा के कार्यों को कौन भुला सकता है। सर सैय्यद अहमद खान ने 1863 में मुस्लिम समुदाय में वैज्ञानिक दृष्टिकोण स्थापित करने के लिए साइंटिफिक सोसायटी की स्थापना की। 1875 में हिन्दू समाज सुधार की पहलों के लिए चिरपरिचित गुजरात के स्वामी दयानंद सरस्वती, 1905 में शिक्षा, स्वास्थ्य, शराबबंदी, गरीबी, छुआछूत और अस्पृश्यता, सामाजिक विसंगति के खिलाफ अपनी संस्था के माध्यम से पहल करने वाले बाल कृष्ण गोखले, केरल के नारायण गुरू, आंध्र प्रदेश के कंदुकूरि वीरेश लिंगम, डॉ. आत्माराम पांडुरंग, स्वतंत्रता आंदोलन के समानांतर ही देश की भीतरी विसंगतियों को दूर करने के लिए जी–जान से जुटे रहे महात्मा गांधी जैसे पुरखों के विचार–कर्मपथ और भाव दर्शन हमारे संविधान में आपको मिल जायेंगे। राजनैतिक पहलों का इतिहास भी आप तलाशेंगे तो पायेंगे। इसकी शुरूआत 1895 से हो गई थी। व्यक्तिगत, सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक संगठनों से लेकर उस दौर की रियासतों, राजे–रजवाड़ों तक ने आजादी के बाद देश की व्यवस्था, नियम–कानून कैसे होंगे, इसके अपने–अपने प्रारूप बनाए थे और संविधान सभा तक पहुंचे थे। देश को आजादी 15 अगस्त 1947 को मिली, लेकिन उससे पहले से संविधान सभा के 299 सदस्य स्वतंत्र भारत के लिए संविधान बनाने में लगे हुए थे। यह काम इतना आसान नहीं था, 9 दिसंबर 1946 को संविधान सभा की पहली बैठक हुई। 2 साल 11 महीने, 18 दिनों तक कई बैठकों और बहसों के लंबे दौर चले। इसके बाद डॉ. भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में बनी मसौदा समिति ने इसे अंतिम रूप दिया। 26 नवंबर 1949 साधारण सभा की आखिरी बैठक में इसे अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया। इसीलिए हम इस दिन को संविधान दिवस के रूप में मनाते हैं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि यह विश्व का सबसे बड़ा और हस्तलिखित संविधान है। जब यह बना, तब इसमें 22 भाग, 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियां थीं। समय–समय पर हुए संशोधनों के बाद वर्तमान में संविधान में 470 से अधिक अनुच्छेद और 12 अनुसूचियां हैं। अमेरिका, रूस, आस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिटेन जैसे देशों की श्रेष्ठ अवधारणाओं और संवैधानिक मूल्यों को हमारे संविधान की प्रस्तावना में शामिल किया गया है। यह उल्लेखनीय तथ्य है कि जो लोग भारत का संविधान बना रहे थे, वे आपस में भी एकमत नहीं थे। उनके विचारों में भारी टकराव था, इसके बावजूद वे हिंसक नहीं थे। उनका विचारों की विविधता और परस्पर प्रेम के भाव में भरपूर विश्वास था। असहमतियां थीं, लेकिन कोई भी सह–अस्तित्व की अनिवार्यता से समझौता नहीं कर रहा था। जब संविधान की रचना की जा रही थी, तब संविधान सभा में शामिल लोगों ने कई बार कहा था कि हमें एक बेहतर भविष्य के लिए संविधान बनाना है। हमें उन मूल्यों को तय करना है, जिनसे भारत के स्वभाव और चरित्र का निर्माण हो। लेकिन वह यह भी कह गए कि संविधान कितना भी अच्छा बना लीजिये, यदि इसे लागू करने वाले लोगों का समूह और उनका विचार दूषित हुआ, तो अच्छे संविधान के कोई मायने नहीं रह जायेंगे। संविधान बनने के बाद संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भी कहा कि, हमें एक अच्छा संविधान मिला है, पर यह हमारे नेताओं पर निर्भर करता है कि वो कैसे संविधान को आगे बढ़ाएं। वो अच्छे संविधान को बुरा बना सकते हैं और एक बुरे संविधान को भी अच्छा बना सकते हैं। अभी हाल ही श्संविधान संवादय की एक व्याख्यानमाला में अपने संबोधन में सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत जस्टिस मदन बी. लोकुर ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे संविधान में तीन–चार बातें सबसे महत्वपूर्ण हैं। एक तो है प्रस्तावना– जिसमें मार्गदर्शक हैं न्याय, स्वतंत्रता, समानता, गरिमा, ये मूल्य आधारित दृष्टिकोण हैं, जिससे हम अपने संविधान को आगे बढ़ा सकते हैं।

बिजली निगम 15 दिसंबर तक दाखिल करें टैरिफ, विद्युत नियामक आयोग ने दिया आदेश

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में वर्ष 2025–26 के लिए बिजली दरें जारी होने के तीन दिन बाद ही वर्ष 2026–27 की तैयारी शुरू हो गई है। पिछली बार पॉवर कॉर्पोरेशन की ओर से कई बार संशोधित टैरिफ दाखिल करने पर नियामक आयोग ने सख्ती दिखाई है। आदेश दिया है कि 30 नवंबर के बजाय 15 दिसंबर तक नया टैरिफ दाखिल किया जाए लेकिन सुनिश्चित करें कि उसमें संशोधन की गुंजाइश न हो। प्रदेश में लगातार छह साल से बिजली दरें नहीं बढ़ी हैं। मल्टी ईयर टैरिफ रेगुलेशन के अनुसार वर्ष 2026–27 के नए टैरिफ प्रस्ताव तथा वर्ष 2024–25 के ट्रूअप का प्रस्ताव 30 नवंबर तक दाखिला करना अनिवार्य है। पिछले वर्ष प्रस्ताव दाखिल होने के बाद पांच बार संशोधित प्रस्ताव दाखिल किए गए जिससे निर्धारित समय पर दरें जारी नहीं हो पाईं। ऐसे में वर्ष 2026–27 के लिए नियामक आयोग ने अभी से सचेत कर दिया है। आयोग ने चेतावनी दी है कि आंकड़ें सही और प्रमाणिक होने चाहिए। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि इस वर्ष बिजली दरों के मामले में उपभोक्ताओं की जीत हुई है। पॉवर कॉर्पोरेशन प्रबंधन बढ़ा–चढ़ाकर आंकड़े दाखिल करता है। पहले भी कार्पोरेशन ने लगभग 24 हजार करोड़ रुपये का अंतर दिखाते हुए 45: तक बिजली दरों में वृद्धि की मांग की थी लेकिन उपभोक्ता परिषद ने सही आंकड़े रखे जिससे नियामक आयोग ने

बिजली दरें नहीं बढ़ाईं। वर्मा ने कहा कि उपभोक्ताओं का 18 हजार करोड़ रुपये बिजली निगमों पर सरप्लस निकल रहा है। ऐसे में अब बिजली कंपनियों और पॉवर कॉर्पोरेशन के पास सही आंकड़े दाखिल करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों ने बताया कि निजीकरण के विरोध में सभी जिलों के संयोजकों की 30 नवंबर को बैठक होगी। इसमें आगे के आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। पदाधिकारियों ने बताया कि विद्युत नियामक आयोग द्वारा स्वीकृत आकड़ों के अनुसार दक्षिणांचल की वास्तविक वितरण हानि 15.53: और पूर्वांचल विद्युत की 16.23: आ गई है। इसे 2029–30 तक क्रमश: 11.83: 11.95: तक करने का निर्देश है। ऐसे में निजीकरण छोड़कर लाइन हानि कम करने पर फोकस बढ़ाना चाहिए। ऊर्जा क्षेत्र में आ रहे नए बिल, पूर्वांचल व दक्षिणांचल निगमों के निजीकरण का विरोध तेज हो गया है। विरोध में बिजली साथ किसान और उपभोक्ता संगठन भी लामबंद हो गए हैं। ये सभी संयुक्त रूप से बुधवार को लखनऊ के परिवर्तन चौक पर सुबह 11 बजे ताकत दिखाएंगे। इसके बाद 27 नवंबर को पूरे देश में प्रदर्शन करेंगे। बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों की राष्ट्रीय समन्वय समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने दावा किया है कि 26 के प्रदर्शन में बिजली कर्मियों के साथ ही किसान, उपभोक्ता और तमाम कर्मचारी संगठन भी मौजूद रहेंगे। बृहस्पतिवार को विभिन्न जिलों के साथ ही वाराणसी और आगरा मुख्यालय पर संयुक्त प्रदर्शन होगा। उन्होंने कहा निजीकरण का कड़ा विरोध होगा।

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, माल क्षेत्र में सड़क हादसे से फैली शोक की लहर

लखनऊ, (संवाददाता)। थाना माल क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना सुबह लगभग सात बजे की है, जब पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम वीरपुर के पास एक मोटरसाइकिल सवार को किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी है। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक की मौके पर ही मृत्यु हो गई। सूचना मिलते ही थाना माल पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची।पुलिस के अनुसार, मौके पर एक बिना नम्बर की नई स्प्लेंडर मोटरसाइकिल गिराई हुई मिली और उसके पास ही युवक का शव पड़ा था। प्रारंभिक पहचान के लिए स्थानीय लोगों और क्षेत्रीय निवासियों से पूछताछ की गई, लेकिन कोई भी युवक को पहचान नहीं सका। बाद में मृतक की तलाशी के दौरान मिले मोबाइल फोन से परिजनों से संपर्क स्थापित किया गया।संपर्क किए जाने पर मृतक की पहचान उसके पिता गंगा प्रसाद ने अपने पुत्र राजा उर्फ सुमित, उम्र लगभग 25 वर्ष, निवासी ग्राम नेवादा, थाना अतरौली, जनपद हरदोई के रूप में की। पहचान होते ही घर में कोहराम मच गया और परिजन रोते–बिलखते मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने मृतक के पंचायतनामा की कार्यवाही पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।थाना माल पुलिस का कहना है कि परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है और हादसे की जांच की जा रही है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की भी जांच कर रही है, ताकि दुर्घटना में शामिल वाहन और उसके चालक की पहचान की जा सके। इस हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है।

इटौंजा में मासूम से दरिंदगी का मामला आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। इटौंजा थाना क्षेत्र में दो वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी की कोशिश ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ सक्रिय हो गया और उत्तरी जोन की निगरानी में थाना इटौंजा पुलिस ने बेहद त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई करते हुए आरोपी को कुछ ही मिनटों में गिरफ्तार कर लिया।मंगलवार देर रात करीब 12 बजे पीड़िता के परिजनों ने थाने में सूचना दी कि उनकी दो वर्षीय बच्ची के साथ एक अज्ञात युवक द्वारा घृणित अपराध किया गया है। शिकायत मिलते ही पुलिस ने बिना देरी किए मु0अ0सं0 220/2025, धारा 65(2) बीएनएस एवं 3ध्4 पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज किया और तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। पुलिस ने बच्ची को सुरक्षा देते हुए उसे चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल भेजा तथा परिजनों से विस्तृत जानकारी एकत्र की।सक्रियता दिखाते हुए पुलिस टीम ने रात 12.10 बजे, यानी शिकायत के मात्र दस मिनट बाद, आरोपी संदीप कुमार पुत्र सियाराम, निवासी ग्राम सीरगंज, थाना सिधौली, जनपद सीतापुर को पकड़ लिया। आरोपी को मौके पर ही परिजन और ग्रामीणों ने पहचान लिया था। पहले भी शादी–विवाह और अन्य समारोहों में कैटरिंग का काम करने वाला संदीप एक शादी समारोह में महिला मित्र के बुलावे पर आया था।

यूपी के एक करोड़ स्कूली बच्चों का आधार बायोमीट्रिक अपडेशन नहीं

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में अभी एक करोड़ स्कूली बच्चों का आधार बायोमीट्रिक अपडेशन बाकी है। जिन बच्चों का बायोमीट्रिक अपडेट नहीं होगा उनको भविष्य में दूसरे स्कूलों में प्रवेश लेने, छात्रवृत्ति समेत अन्य योजनाओं का लाभ लेने में दिक्कत हो सकती है। एक तय समय के बाद

बिना अपडेट आधार निलंबित भी हो सकते हैं। इसलिए बायोमीट्रिक अपडेट करवाना अनिवार्य है। नियमानुसार पांच वर्ष और 15 वर्ष की आयु पूरी होने पर बच्चों व किशोर–किशोरियों के आधार में फिंगर प्रिंट, आईरिस और फोटोग्राफ अपडेट करवाना अनिवार्य है। प्रदेश के 2.63 लाख स्कूलों में पढ़ने वाले एक करोड़ बच्चों के आधार में बायोमीट्रिक अपडेट होना बाकी है। इनमें से 4438 स्कूल सिर्फ लखनऊ के हैं। यहां के 2.50 लाख बच्चों का बायोमीट्रिक अपडेशन बाकी है। यूआईडीएआई की तरफ से इसको लेकर जागरूकता शिविर भी जाए जा रहे हैं जिससे सभी को जानकारी हो सके और वो आधार अपडेट करवाएं। यूआईडीएआई के अफसरों ने बताया कि जिनका आधार अपडेट होना है उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर संदेश भेजे जा रहे हैं। बच्चों के आधार कार्ड में माता–पिता या अभिभावक के नंबर रजिस्टर्ड हैं तो उनको भी मेसेज भेजे जा रहे हैं। इन संदेशों को नजरअंदाज न करें। आधार कार्ड जरूर अपडेट करवा लें। यूआईडीएआई के उपमहानिदेशक प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि स्कूलों में विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं। कैंप में बच्चों का आधार निशुल्क अपडेट किया जा रहा है। इसके अलावा आधार को ऑफिस में जाकर भी अपडेट कराया जा सकता है।

राजधानी के ढाई लाख बच्चों का आधार है अधूरा

यूपी के एक करोड़ स्कूली बच्चों का आधार अधूरा है। इनके आधार में बायोमेट्रिक अपडेशन बाकी है। लखनऊ में ऐसे स्कूली बच्चों की संख्या करीब ढाई लाख है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के अफसरों के अनुसार, जिन बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट नहीं होगा उनको भविष्य में दूसरे स्कूलों में प्रवेश लेने, छात्रवृत्ति समेत अन्य योजनाओं का लाभ लेने में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। एक तय समय के बाद बिना अपडेट के बच्चे का आधार निलंबित भी हो सकते हैं। इसलिए प्रत्येक बच्चे का बायोमेट्रिक अपडेट करवाना अनिवार्य है।

खादी उत्पादों को व्यवसाय बनाने के क्षेत्र में अपार अवसर

लखनऊ, (संवाददाता)। खादी उत्पाद और इनसे जुड़े उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए खादी महोत्सव के पांचवें दिन मंगलवार को क्रेता–विक्रेता सम्मेलन हुआ। इसमें फैशन, बाजार और तकनीकी क्षेत्र के दिग्गजों ने कहा कि खादी उत्पादों को व्यवसाय के तौर पर अपनाने के लिए इस क्षेत्र में अब भी अपार अवसर हैं। गोमतीनगर स्थित केंद्रीय संस्कृत विवि परिसर में सजे खादी प्रदर्शनी के मंच पर मुख्य वक्ता व सचिव श्री गांधी आश्रम हजरतगंज देवी प्रसाद शर्मा ने कहा, पीएम मोदी व सीएम योगी के नेतृत्व वाली सरकार खादी को बढ़ावा दे रही है। प्रदर्शनियों से खादी उत्पादों की मार्केटिंग शुरू की गई है। एनबीआरआई के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. महेंद्र पाल ने कहा कि खादी फैब्रिक पर आर्गेनिक फूलों से तैयार नैचुरल कलर की प्रिंटिंग इसे फैशन की दिशा में मील का पत्थर साबित कर सकती है। इस दिशा में टेक्सटाइल मिनिस्ट्री से एमओयू भी हुआ है। उन्होंने हर्बल गुलाल व ऑर्गनिक सिंदूर बनाने की भी जानकारी दी। प्रिंसिपल साइंटिस्ट सीमैप राम सुरेश शर्मा ने कहा, हमारे यहां नई टेक्नोलॉजी विकसित की गई हैं। इन्हें अपनाकर ग्रामीण क्षेत्र के युवा नए उद्यम शुरू कर सकते हैं। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में फैशन डिजाइनिंग की असिस्टेंट प्रो. अनुशा मिश्रा ने बताया कि

खादी से बेहतर व प्राकृतिक कोई फैबिक्र नहीं है। 70 प्रतिशत कपड़े सिंथेटिक तैयार हो रहे हैं। खादी में नई फैशन डिजाइनिंग का इस्तेमाल हो रहा है। फैबिक्र अच्छा होने से विदेशों में भी खादी की मांग है। फ्लिपकार्ट के स्टेट हेड अतुल कुशवाहा ने बताया कि फ्लिपकार्ट समर्थ के जरिये हम खादी से जुड़े उद्यमियों को रजिस्ट्रेशन से लेकर अन्य प्रक्रियाएं निशुल्क उपलब्ध करा रहे हैं। प्रदेश सरकार में पूर्व विशेष सचिव रहे योगेंद्र त्रिपाठी, उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजीव त्यागी आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

यूपी में बनेगा पर्यटन विकास का नया रोडमैप, 27 नवंबर को आयोजित होगी विकसित उत्तर प्रदेश 2047 पर्यटन कार्यशाला

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग 27 नवंबर को योजना भवन, लखनऊ में विकसित उत्तर प्रदेश 2047 पर्यटन कार्यशाला आयोजित करने जा रहा है। यह महत्वपूर्ण कार्यशाला प्रदेश के दीर्घकालिक पर्यटन भविष्य की दिशा तय करने वाला निर्णायक मंच मानी जा रही है। इसके माध्यम से 'टूरिज्म विजन डॉक्यूमेंट 2047' को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया को गति मिलेगी, जिसका मकसद उत्तर प्रदेश को सतत, समावेशी और वैश्विक स्तर का प्रमुख पर्यटन गंतव्य बनाना है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश पर्यटन क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। विकसित भारत 2047 की अवधारणा के अनुरूप उत्तर प्रदेश घरेलू और विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद के रूप में उभर रहा है। वर्ष 2025 की पहली तिमाही में ही प्रदेश में रिकॉर्ड 109.65 करोड़ पर्यटकों का आगमन हुआ, जिसने यूपी को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर मजबूत स्थान दिलाया है। इसी बढ़ती क्षमता को निवेश–उन्मुख और समुदाय आधारित मॉडल में परिवर्तित करने के लिए यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है।कार्यशाला का शुभारंभ पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के संबोधन से होगा। मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश की दीर्घकालिक पर्यटन दृष्टि प्रस्तुत करेंगे। इसके बाद पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात क्षेत्रीय रणनीतिक प्राथमिकताओं को रेखांकित करेंगे, जबकि महानिदेशक पर्यटन राजेश कुमार स्वागत उद्बोधन देंगे।कार्यशाला में विभिन्न विषयों पर केंद्रित कई सत्र आयोजित होंगे। यूपीएसटीडीसी के एमडी आशीष कुमार 'स्पिरिचुअल टूर एंड पैकेजेज' सत्र में तीर्थ पर्यटन और क्यूरेटेड टूर पैकेजों की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

लोक–कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

लखनऊ, (संवाददाता)। योगी सरकार की लोक–कल्याणकारी नीतियों को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने के उद्देश्य से मंगलवार को लोक भवन स्थित नवीन भवन के कक्ष संख्या–7 में पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने की। उन्होंने दोनों विभागों की योजनाओं की प्रगति, बजट व्यय, लंबित प्रकरणों के निस्तारण तथा आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों की गहन समीक्षा की।उन्होंने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं होगी। हर जरूरतमंद लाभार्थी तक योजना का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुँचे, यह सुनिश्चित किया जाए। मंत्री ने बताया कि विश्व दिव्यांग दिवस (3 दिसंबर) के अवसर पर 3 से 5 दिसंबर तक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राज्यस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ और जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट में भी विशेष कार्यक्रम होंगे।उन्होंने बताया कि दोनों दिव्यांग विश्वविद्यालयों में नामांकन बढ़ा है और नए छात्रावासों के निर्माण से इसमें और वृद्धि होगी।

रामपुर, श्रावस्ती, अमेठी के मॉडल गांवों को देखने जाएंगे प्रधान

लखनऊ, (संवाददाता)। विकास के लिहाज से रामपुर, श्रावस्ती, अमेठी और ललितपुर जिले की मॉडल ग्राम

पंचायतों से सीखने के लिए प्रदेश के सभी जिलों से नौ श्रेणियों में चयनित ग्राम पंचायतों के प्रधान दो दिवसीय आंतरिक एक्सपोजर विजिट पर जाएंगे। पहला चरण 26 नवंबर से शुरू होगा। इसमें आगरा से चयनित ग्राम पंचायतों के प्रधान रामपुर की मॉडल ग्राम पंचायतों का, बहराइच और बलरामपुर के प्रधान श्रावस्ती और बाराबंकी जिले की नौ ग्राम पंचायतों के प्रधान अमेठी जिले के मॉडल गांवों में जाएंगे। पंचायत विभाग ने इसकी सभी तैयारी पूरी कर ली है। पंचायत विभाग के अधिकारियों का मानना है कि इस विजिट से प्रधान जहां विकास कार्यों में तेजी लाने के तौर–तरीके सीखेंगे। वहीं, प्रतिनिधियों को आधुनिक सुविधाओं, नवाचारों और स्वच्छता मॉडल को नजदीक से समझने का अवसर भी मिलेगा। उपनिदेशक (पंचायत) योगेंद्र कटियार ने बताया कि 24 जनवरी तक अलग–अलग जिलों से प्रधान विजिट के लिए जाएंगे। विजिट पर जाने वाले प्रधान स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत बने मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट, ट्राइकलर प्रक्रिया, ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस मॉडल, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन जैसे सफल कार्यों को देख व समझ सकेंगे।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला की शुरुआत

लखनऊ, (संवाददाता)। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मून हाल में नागरिक सुरक्षा कोर द्वारा भारत सरकार के प्रायोजित वार्डन क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि स्वतंत्र प्रभार होमगार्ड एवं सिविल डिफेंस मंत्री धर्मबीर प्रजापति और विशिष्ट अतिथि पुलिस महानिदेशक, सिविल डिफेंस ध्रुव कांत ठाकुर द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर की गई।मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के आगमन पर डिवीजनल वार्डन सुनील तिवारी और राजेश सिंह चौहान ने चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्र की अगुवाई में गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद अमरनाथ मिश्र ने अतिथियों का अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ और प्रतीकचिह्न देकर स्वागत किया।कार्यशाला को संबोधित करते हुए चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्र ने नागरिक सुरक्षा संगठन की स्थापना वर्ष 1962 के इतिहास पर प्रकाश डाला और लखनऊ सिविल डिफेंस द्वारा किए गए महत्त्वपूर्ण कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान की गई मॉक ड्रिल और विभिन्न आवासीय क्षेत्रों में हुए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उल्लेख किया। कार्यक्रम में लखनऊ सिविल डिफेंस द्वारा किए गए कार्यों पर आधारित एक संक्षिप्त चलचित्र भी प्रदर्शित किया गया।पुलिस महानिदेशक ध्रुव कांत ठाकुर ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि नागरिक सुरक्षा एक निरूस्वार्थ सेवा भावना पर आधारित संगठन है, जो सामाजिक, धार्मिक और सार्वजनिक कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

समाज में सहनशीलता की कमी पूरी कर रहा सिविल डिफेंस

लखनऊ, (संवाददाता)। पीएम मोदी की दीर्घकालिक सोच के तहत नागरिक सुरक्षा का प्रशिक्षण जन–जन तक पहुंचाया जा रहा है। जितने लोग आपदा बचाव प्रशिक्षण दूसरों तक पहुंचाएंगे, उतने ज्यादा लोग सिविल डिफेंस से जुड़ेंगे। देश की रक्षा के लिए नागरिकों की यह फौज बल देती है। सिविल डिफेंस के सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन के दौरान मंगलवार को राज्यमंत्री स्वतंत्रप्रभार होमगार्ड, सिविल डिफेंस धर्मवीर प्रजापति ने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि आज हम समृद्ध तो बहुत हैं, लेकिन सहनशीलता में कमी आई है। नागरिक सुरक्षा के जाबांज सिपाही इसी कमी को पूरा कर रहे हैं। नागरिक सुरक्षा लखनऊ की ओर से गोमतीनगर स्थित आईजीपी में आयोजित स्वयंसेवक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री को चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्रा की अगुवाई में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। विशिष्ट अतिथि व सिविल डिफेंस के पुलिस महानिदेशक ध्रुवकांत ठाकुर ने कहा कि नागरिक सुरक्षा निस्वार्थ संगठन है। यह समय–समय पर धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रमों में सेवा देता है। भारत सरकार की ओर से कराई जा रही ट्रेनिंग सभी के लिए उपयोगी है। चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्र ने लखनऊ में किए गए विस्तार व कामों की जानकारी दी। जेएसओ सुमित मौर्या ने धन्यवाद ज्ञापित किया। गार्ड ऑफ ऑनर में डिवीजनल वार्डन लोहिया नगर सुनील तिवारी और डिवीजनल वार्डन बीकेटी राजेश सिंह चौहान शामिल रहे। ऋतु राज रस्तोगी, सुनील शुक्ला, हरीश कुमार, नफीस अहमद, डॉ. माथुर, सुनील यादव, रमेश चौहान, मुशीर, रामगोपाल, राजेंद्र श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 'भारतीय संविधान के 75 वर्ष' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के विधि विभाग की ओर से 'भारतीय संविधान के 75 वर्षरू सामाजिक–आर्थिक न्याय के माध्यम से विकसित भारत का मार्ग–मानचित्र' विषय पर आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन 25 नवंबर को हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, मुंबई के कुलपति प्रो. दिलीप उके मौजूद रहे। मंच पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर असम राज्यपाल भवन, गुवाहाटी के राज्यपाल सचिवालय के सलाहकार प्रो. हरबंश दीक्षित, विधि अध्ययन विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार चढ्ढा और विधि विभाग की विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो. सुदर्शन वर्मा उपस्थित रहीं।संगोष्ठी का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन और बाबासाहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। कुलगीत प्रस्तुति के पश्चात अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। सर्वप्रथम प्रो. संजीव कुमार चढ्ढा ने सभी का स्वागत किया, इसके बाद प्रो. सुदर्शन वर्मा ने संगोष्ठी के उद्देश्य और रूपरेखा पर प्रकाश डाला।अपने संबोधन में कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि यह समय संविधान के 75 वर्षों की उपलब्धियों का पुनर्समीक्षण करने और नागरिकों के रूप में भविष्य के राष्ट्रीय दायित्वों को समझने का है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 का संकल्प तभी पूरा होगा जब समाज संवैधानिक मूल्यों को जीवन और कार्य प्रणाली में उतारेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकास केवल आर्थिक उन्नति नहीं, बल्कि रचनात्मकता, विज्ञान, तकनीकी, पर्यावरणीय संतुलन और नागरिकों के बेहतर जीवन–स्तर से जुड़ा है। उन्होंने युवाओं की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत को 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए स्टार्टअप, नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में युवा शक्ति को आगे आना होगा। इसके साथ ही उन्होंने डैडम और स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला।मुख्य अतिथि प्रो. दिलीप उके ने कहा कि भारतीय संविधान विश्व के सबसे विस्तृत और समावेशी संविधानों में से एक है, जो राष्ट्र और समाज दोनों के निर्माण की आधारशिला रखता है। उन्होंने विभिन्न देशों के संविधानों के तुलनात्मक अध्ययन का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संविधान नागरिकों को न केवल अधिकार प्रदान करता है, बल्कि समानता, न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों को भी समाज में गहराई से स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि संविधान का उद्देश्य समाज के कमजोर, हाशिये पर स्थित और पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा में लाना है।विशिष्ट अतिथि प्रो. हरबंश दीक्षित ने कहा कि भारतीय संविधान मात्र कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र के सामूहिक सपनों और आकांक्षाओं का दिव्य ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी फलता–फूलता है जब नागरिक अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक हों और शासन व्यवस्था स्थिर तथा पारदर्शी हो। उन्होंने लोकतंत्र को एक "लक्जरी" बताते हुए कहा कि वही राष्ट्र महान होता है जो लोकतांत्रिक मूल्यों को वहन कर सकता है और उन्हें मजबूती से निभा सकता है।

'मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ के डॉक्टरों की दुर्लभ बाइल डक्ट स्टोन सर्जरी से दिल्ली के युवक को मिला नया जीवन'

'लखनऊ। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ के डॉक्टरों ने हेपेटोलिथाइसिस के एक असामान्य और अत्यंत जटिल मामले का सफल उपचार कर एक बेहतरीन चिकित्सकीय उपलब्धि हासिल की है। हेपेटोलिथाइसिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें लिवर की छोटी पित्त की नलियों के अंदर गहराई में पथरी बन जाती है। दिल्ली निवासी 27 वर्षीय मरीज, ऋषभ सिंह लगातार और परेशान करने वाले लक्षणों जैसे बार–बार तेज बुखार, पीलिया, पेट में दर्द और तेजी से वजन घटने जैसी समस्याओं के साथ मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ पहुंचे। शुरुआती जांच से पता चला कि वह बार–बार होने वाली पायोजेनिक कोलेंजाइटिस से पीड़ित थे, एक ऐसी पुरानी बीमारी जिसमें पित्त की नलिओं में बार–बार संक्रमण और सूजन होती है, जो समय रहते इलाज न मिलने पर पथरी बनने और गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकती है। युवाओं में हेपेटोलिथाइसिस के साथ बार–बार होने वाली पायोजेनिक कोलेंजाइटिस का मिलना बहुत असामान्य है और लिवर के अंदर गहराई में स्थित पथरियों के साथ सक्रिय संक्रमण होने से इस मामले की जटिलता अधिक हो जाती है। मरीज ने इससे पहले एक अन्य अस्पताल में इलाज के लिए प्रोसीजर करवाया था पर वह सफल नहीं हुआ। इसके बाद उनकी सेहत लगातार खराब होती रही और वजन भी घटता रहा। इस मामले में, मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ में हेपेटो–पैंक्रिएटो–बिलियरी एवं लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के निदेशक, डॉ. वलीउल्लाह सिद्दीकी ने कहा, "जब ऋषभ हमारे पास आए, वह पहले से ही लगातार वजन घटने और बार–बार होने वाले संक्रमणों का सामना कर रहे थे। गहराई से की गई जॉच में बार–बार होने वाले पायोजेनिक कोलेंजाइटिस के साथ लिवर में कई पथरियां पाई गईं। चुनौती गम्भीर थी, जिसे संभालने के लिए अत्यंत सावधानीपूर्वक और मल्टीडिसिप्लिनरी टीम अप्रोच की आवश्यकता थी।" इलाज के लिए, सर्जिकल टीम ने एक जटिल लिवर सर्जरी की, जिसमें लिवर के बाएं हिस्से को (जहां कई पथरियां थीं) हटाया गया, लिवर के बाहर की क्षतिग्रस्त पित्त नली को निकालकर उसके दाहिने हिस्से और आंत के बीच एक नया जोड़ बनाया गया, ताकि पित्त का बहाव सामान्य रूप से हो सके। डॉ. सिद्दीकी ने आगे कहा कि सर्जरी तकनीकी रूप से बहुत जटिल थी, लेकिन ऋषभ ने असाधारण रूप से अच्छा रिस्पॉन्स दिया। उनकी रिकवरी सहज रही और उन्हें ऑपरेशन के आठवें दिन छुट्टी दे दी गई। एक महीने के फॉलोअप में उनकी स्थिति में बढ़िया सुधार दिखा, लक्षण पूरी तरह खत्म हो गए और वह सामान्य रिकवरी पैरामीटर पर लौट आए। इस सफल नतीजे के लिए मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ की असामान्य और जटिल हेपेटोबिलियरी स्थितियों को संभालने की क्षमता, अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतरीन मल्टीडिसिप्लिनरी टीम जिम्मेदार है।

आईएएस संतोष वर्मा के बयान पर ब्राह्मण महासभा में आक्रोश, सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । यूपी के जौनपुर में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (रा०) के जिलाध्यक्ष रत्नाकर चौबे के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में सदस्यों ने गुरुवार को अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को राज्यपाल को संबोधित एक पत्र सौपा है। मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा के एक विवादित बयान ने सामाजिक और धार्मिक संगठनों में भारी रोष पैदा कर दिया है। इस बयान को लेकर अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (राष्ट्रीय) जौनपुर ने कड़ी आपत्ति जताई है।महासभा ने वर्मा की टिप्पणी को श्तुच्छ मानसिकता की पराकाष्ठाश बताया। संगठन के अनुसार, संतोष वर्मा ने महिलाओं को लेकर जो अपमानजनक टिप्पणी की है, वह न केवल असंवेदनशील है, बल्कि समाज को बांटने वाली मानसिकता को भी दर्शाती है।अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (राष्ट्रीय)जौनपुर ने अपने प्रस्ताव के माध्यम से मांग की है कि ऐसे अधिकारी को तत्काल प्रभाव से पद से बर्खास्त किया जाए। इसके साथ ही, उनके खिलाफ उचित धाराओं में प्राथमिकी (थ्प्त्) दर्ज करने की भी मांग की गई है।जिलाध्यक्ष रत्नाकर चौबे का कहना है कि ऐसी कार्रवाई से समाज में इस तरह की टिप्पणी करने वालों को सबक मिलेगा।

संक्षिप्त खबरें

पंजाब प्रदेश अध्यक्ष का आगमन 28 नवंबर को जनपद में

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 7235 पंजाब प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव का आगमन 28 नवंबर को जौनपुर हो रहा हैं। पंजाब प्रदेश अध्यक्ष 28 नवंबर को शाम 4 बजे राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार पी टी आई के रूहटा आवास पर संगठन के पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। कायस्थ महासभा जौनपुर जिला अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए कहा कि जिला इकाई द्वारा दीपक जी के आवास पर अजय कुमार श्रीवास्तव प्रदेश अध्यक्ष पंजाब का सम्मान किया जाएगा। सभी पदाधिकारी को समय से पहुंचने का आग्रह किया है।

महिला एसओ ने संविधान दिवस पर पुलिस कर्मियों को दिलाई शपथ

अयोध्या। बुधवार को महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के नेतृत्व में संविधान दिवस मनाया गया।इस मौके पर उन्होंने वहॉ पर मौजूद सभी महिला पुलिस कर्मियों को संविधान के नियमों की पालन करने के लिए शपथ दिलाया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत में हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है।जिसे हम राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में भी मनाते है। कहां की आज के दिन ही 1949 में संविधान सभा द्वारा देश के संविधान को औपचारिक रूप से अपनाए जाने की याद दिलाता है। जिसे बनाने में दो वर्ष, ग्यारह माह और अट्ठारह दिन का समय लगा था।संविधान हमारे देश का सर्वोच्च कानून है जो भारत को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करता है और सभी नागरिकों को न्याय, स्वतंत्रता तथा समानता की गारंटी देता है।इस मौके पर उप निरीक्षक संजीव मिश्रा, महिला उप निरीक्षक सोनी, चेतना, श्वेता राठौड़, प्रिया के अलावा महिला पुलिस कर्मियों में जय श्री, लक्ष्मी, अंशिका, गायत्री सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रही।

जाति से कोई दलित नहीं होता , दलित होती है व्यक्ति की मानसिकता

रागिनी अवस्थी

संतोष वर्मा के घटिया बयान पर आजादमंच भारत की प्रदेश अध्यक्षा श्रीमती रागिनी अवस्थी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है उन्होंने कहा आखिर ऐसे व्यक्ति ने बड़े पद पर कैसे न्याय किया होगा जबकि इसकी सोच इतनी घटिया और जातिवादी है काश यही बयान किसी सवर्ण अधिकारी ने दिया होता तो दलित चिंतकों के आंसुओं से अखबार गीले हो जाते ,सड़कें लाल हो जाती बहिन बेटी किसी जाति धर्म को क्यों न हो उसका यूं सार्वजनिक अपमान करना और आरक्षण जैसे संवैधानिक विषय से जोड़ना सामाजिक अपराध है। जो अक्षम्य है ऐसे अधिकारी को तुरंत सेवानिवृत कर जेल भेजना चाहिए ताकि ऐसे और व्यसनोंकी पुनरावृति न हो वरना सवर्ण समाज जल्दी सड़कों पर उतरने को मजबूर होगा यह अकेले ब्राह्मण समाज की बात नहीं है अपितु सम्पूर्ण सवर्ण समाज के लिए शर्म की बात है सवर्ण चिंतक एवं मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राना ठाकुर ने चेतावनी दी है यदि शीघ्र ही इस जातिवादी अपराधी को दंड नहीं दिया गया तो हमें आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

पानी में डूबने से हुई थी होमगार्ड के बेटे की मौत, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुई पुष्टि

भदोही, (संवाददाता)। कोतवाली क्षेत्र के मवैया हरदोपट्टी निवासी होमगार्ड संजय यादव के बेटे सूर्यभान की मौत पानी में डूबने से हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हुई है। रविवार को चकवां महाबीर मंदिर के तालाब में उसका शव मिला था। पुलिस हिरासत से किशोरी को भगाने के आरोपी के भागने के मामले में कोतवाली के एक पुलिसकर्मी और एक होमगार्ड पर कार्रवाई हो सकती है। विभागीय जांच में दोनों की लापरवाही सामने आई है। इस मामले में प्रभारी निरीक्षक अजीत श्रीवास्तव पहले ही निलंबित हो चुके है।

बदमाशों ने पुरानी रंजिश में युवक को मारी गोली हालत गंभीर वाराणसी ट्रॉमा सेंटर में भर्ती

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । यूपी के जौनपुर स्थित मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के अरुआंवा बाजार के पास बुधवार की देर रात एक युवक को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। देवरिया गांव निवासी धीरज यादव (23) पुत्र समर बहादुर यादव उर्फ गुरु प्रसाद पर बदमाशों ने अचानक फायरिंग कर दिया, जिससे क्षेत्र में अफरा–तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और पुलिस मौके पर पहुंची। लहूलुहान हालत में धीरज को तत्काल मछलीशहर सीएचसी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बाद में धीरज को वाराणसी स्थित बीएचयू ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। उसे बेहतर उपचार के लिय बीएचयू ट्रामा सेंटर रेफर किया है। पुलिस ने घटनास्थल से एक असलहा बरामद किया है। ग्रामीणों का कहना है कि पीड़ित और आरोपित पक्ष के बीच पहले भी विवाद हो चुका है। इस मामले में गुरुवार को जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एसपी आतिश कुमार सिंह ने बताया कि मछलीशहर थाना अंतर्गत बुधवार की रात्रि में मुजार गांव में में धीरज नामक युवक की राजा पासी और कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा गोली मारने की सूचना प्राप्त हुई थी, सूचना पर तत्काल थाना पुलिस द्वारा घायल को इलाज हेतु जिला अस्पताल जौनपुर लाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए बी.एच.यू.वाराणसी रेफर कर दिया गया है, परिवार जनों की तहरीर पर राजा पासी तथा कुछ अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध हत्या के प्रयास की धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है।पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में घटना के अनावरण हेतु 03 टीमों का गठन किया गया, टीमों के संयुक्त प्रयास से 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया ।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के विजन को जन–जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं : अजीत प्रजापति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार देर रात अजीत प्रजापति को जिले का नया जिलाध्यक्ष घोषित किया। प्रदेश नेतृत्व द्वारा जारी सूची में यह संगठनात्मक निर्णय सामने आया, जिसके बाद जिले भर के भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, नए जिलाध्यक्ष के नाम को लेकर पिछले कई महीनों से मंथन चल रहा था। संगठन के शीर्ष पदाधिकारियों और विभिन्न विंग्स के सुझावों पर विचार–विमर्श के बाद अजीत प्रजापति के नाम पर सहमति बनी। उनकी सक्रियता, बूथ स्तर पर मजबूत पकड़ और समाज के विभिन्न वर्गों में स्वीकार्यता को इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने का मुख्य कारण माना जा रहा है। घोषणा के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर बधाई संदेशों की झड़ी लगा दी। कई मंडलों और शक्ति केंद्रों के पदाधिकारियों ने इस निर्णय को संगठन के लिए मजबूत कदम बताया। जिले भर में कार्यकर्ताओं ने मिठाइयाँ बांटीं और नवनियुक्त जिलाध्यक्ष के आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने बात करते हुए पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन को जन–जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रजापति ने संगठन को मजबूत करने, बूथ सशक्तिकरण और आगामी लोकसभा–विधानसभा चुनावों की तैयारी को अपनी प्राथमिकता बताया। भाजपा के इस निर्णय से जिले में नई ऊर्जा का संचार होने की उम्मीद है। राजनीतिक गलियारों में इस नियुक्ति को आगामी चुनावी रणनीति के एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर देखा जा रहा है। अजीत प्रजापति सुरथाकला ब्लॉक के अढ़नपुर रहने वाले हैं। वर्तमान जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के घर से करीब दो किमी दूर के निवासी हैं। 48 वर्षीय अजीत प्रजापति एमए, बीएड हैं। वह बचपन से ही संघ के विचारधारा से प्रभावित रहे। वर्ष 2013 के पहले करीब 15 साल तक आरएसएस में विभिन्न पदों पर रहे। 2013 से 2016 तक भाजपा के जिला मंत्री रहे। जबकि 2016–2019 तक जिला उपाध्यक्ष भी रहे। इस दौरान जौनपुर से सांसद बने डॉ. केपी सिंह के भी प्रतिनिधि बने। साथ ही 2018 से 2020 और 2020 से 2023 तक माटी कला बोर्ड उत्तर प्रदेश के सदस्य भी बनाए गए।

संक्षिप्त खबरें

शशि गैस सर्विस के सम ऐप स्थित दुकान मे आग लगने से दो एलपीजी सिलेंडर फटे,कई सिलेंडर फटने से बचे

अयोध्या। गुरुवार की भोर शशि गैस सर्विस एजेंसी देवकाली भीखापुर के समीप स्थित कृष्ण चंद्र गुप्ता के जनरल स्टोर में अज्ञात कारण से आग लग गई।आग इतनी भयानक लगी थी कि उसके चपेट में आकर वहां पर मौजूद दो एलपीजी सिलेंडर फट गए बाकी कई एलपीजी सिलेंडर फायर कर्मियों की साहस व सूझबूझ से फटने से बच गए।घटना की सूचना मिलते ही मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह के नेतृत्व में अग्नि सामान अधिकारी प्रदीप कुमार पांडे के अलावा अन्य फायर कर्मी घटनास्थल पर पहुंचकर आग बुझाने में जुट गए।इस अग्निकांड में सब कुछ जलकर खाक हो गया लेकिन अग्निशमन कर्मियों की सूझबूझ तथा तत्परता से आधा दर्जन से अधिक एलपीजी सिलेंडर फटने से बच गए। अगर ये सभी एलपीजी सिलेंडर फटता तो मंजर कुछ और ही होता।इस संबंध में मुख्य

अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह ने बताया आज काफी भयानक रूप ले चुकी थी लेकिन फायर स्टेशन पुलिस लाइन से 02 फायर टेण्डर व फायर कर्मियों की काफी अथक प्रयास के बाद आज पर काबू पाया गया और आज से लगभग आधा दर्जन से अधिक एलपीजी सिलेंडर निकाले गए।दुकान के अंदर इतना सिलेंडर पाए जाने पर उन्होंने बताया कि पीड़ित कृष्ण चन्द्र गुप्ता पुत्र स्व० राघवराम के विष्णु जनरल स्टोरध्आवास में शादी का आयोजन होना था।जिसके चलते 13 एलपीजी सिलेण्डर भूतल पर रखे थे।बताया कि 04 एल०पी०जी० सिलेण्डर प्रथम तल पर रखे थे जिसमें से भूतल पर रखे 02 गैस सिलेण्डर फट गये थे जिसे फायर सर्विस यूनिट द्वारा शेष एलपीजी गैस सिलेण्डरों को घर से बाहर निकाल कर व 04 फायर टेण्डर के मदद से आग को बुझाकर एक बहुत बड़ी घटना को टाल दिया गया,कोई जनहानि नहीं हुई। आग पर काबू पाने वालो मे मनोज कुमार, रंगीलाल,बृजपाल,प्रदीप कुमार,अतुल वर्मा,शलाउद्दीन, सुधीर यादव,मोहम्मद आरिफ,कृष्ण मुरारी राजवीर, प्रदीप कुमार सिंह, दुर्गेश तिवारी,निशांत सिंह सहित अन्य फायर कर्मी शामिल रहे।

बारातियों से भरी गाड़ी खाई में पलटी तीन की मौत तीन, गंभीर रूप से घायल वाराणसी रेफर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। केराकत कोतवाली थाना अंतर्गत बुधवार देर रात सेवई नाला के इकौना गांव में आ रही बारातियों से भरी सफारी गाड़ी मुफ्ती गंज बाजार से आगे नाले के रेलिंग से टकराकर लगभग 20 फीट गहरे खाई में गिर गई।गाड़ी के खाई में गिरते ही उसमें सवार लोगों को चीख पुकार सुनकर लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दिया।मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी प्रकार लोगो को बाहर निकाला और हॉस्पिटल भेजा ।जहां डाक्टरों ने तीन को मृत घोषित कर दिया जबकि अन्य घायलों को बेहतर उपचार के लिए वाराणसी रेफर कर दिया है।घटना की सूचना पर पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने हॉस्पिटल पहुंच कर मृतकों के परिवार से बातचीत किया। सूचना पर पहुंचे परिजन बॉडी को लेकर वाराणसी चले गए। बुधवार शाम वाराणसी के कैंट निवासी संदीप सोनकर पुत्र पुल्लू सोनकर निवासी ग्राम चंददूवा थाना कैंट वाराणसी से बारात जौनपुर आ रही थी। परिवार के लोग शादी स्थल पर पहुंच चुके थे कुछ रिश्तेदार पीछे गाड़ी से आ रहे थे जिनकी गाड़ी के साथ हादसा हुआ। हाथों में मेहदी लगाकर अपने जीवन साथी की आशा लगाए लड़की की खुशियाँ कुछ ही पलों में गम में बदल गयी।लडकी बारात आने का इंतजार करती रही मगर होनी को कुछ और मंजूर था।सारी खुशियां गम में बदल गयी जब एक हादसे में बारात आ रहे बारातियो की गाड़ी पलटने से 3 लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान वाराणसी के कैंट थाना क्षेत्र निवासी बबलू सोनकर (45), श्यामलाल सोनकर(35) और राजू सोनकर (45) के रूप में हुई है। ये सभी वाराणसी से जौनपुर के धर्मापुर क्षेत्र स्थित सेवई नाला के इकौना गांव में लक्ष्मण की पुत्री की शादी में शामिल होने आ रहे थे। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए तीन लोगों को बेहतर उपचार के लिए वाराणसी के ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया। पुलिस के आला अधिकारी बड़ी संख्या में जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों की सहायता सुनिश्चित की। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए एसपी डॉ. कौस्तुभ ने बताया कि केराकत क्षेत्र के मुफ्तीगंज के पास हुई इस घटना में वाराणसी से आ रहे एक परिवार की सफारी गाड़ी काफी ऊंचाई से नीचे गिरी। उन्होंने पुष्टि की कि गाड़ी में पांच लोग सवार थे, जिनमें से तीन को जिला अस्पताल में मृत घोषित किया गया।एसपी के अनुसार, परिजन अपनी संतुष्टि के लिए एक घायल व्यक्ति को एक निजी अस्पताल ले गए हैं, जबकि दो अन्य घायलों का समुचित इलाज चल रहा है। वही घटना के बाद जिला अस्पताल पहुचे लड़की के भाई गोलू सोनकर ने बताया कि लोग वारणसी से बारात लेकर आ रहे थे गाड़ी मुफ्तीगंज में खाई में पलट गई खाई में पलटने से 3 लोगों की मौत हुई और 3 घायल हैं।घटना के बाद लोग रास्ते से बारात लेकर लौट गए। लड़की के मामा ने नसिंदर ने बताया कि आज उसकी दो भांजी की शादी थी। ये लोग कैंट वाराणसी से बारात लेकर आ रहे थे की मुफ्तीगंज पुलिया के पास गाड़ी अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिर गई।कुछ लोग घायल हों गये उनको जिला अस्पताल लाया गया डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। दो तीन लोग घायल है।परिजन का कहना था कि हमलोग को रेफर कर दे हम लोग ट्रामा सेंटर चले गए ।लड़की केघर नही जाकर सभी बाराती घटना की जानकारी मिलने पर हॉस्पिटल आ गए और यही से बारात लेकर वापस चले गए हैं।लड़की के मांमा ने बताया घटना के बाद हम लोग हॉस्पिटल आये लड़के वाले बारात लेकर वापस चले गए।और बोले देखे आगे क्या होता है।जबकि दूसरी बारात अहमदाबाद से आई थी वो लोग बारात लगाकर खाली हो गए थे।हम लोग इस बारात का इंतजार कर रहे थे।गुरुवार सुबह परिजनों से जानकारी लेने पर मालूम हुआ कि दूसरी भांजी की शादी करके लोग बिदाई कराकर वापस चली गई है।

एशियन फुटवियर्स भारत का सबसे पसंदीदा घरेलू फुटवियर ब्रांड बनने की ओर अग्रसर

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ रू एशियन फुटवेयर्स, भारत का तेजी से आगे बढ़ रहा घरेलू जूता ब्रांड, देश में किफायती और टिकाऊ जूतों के लिए एक नया बदलाव ला रहा है। भारत में अभी भी एक व्यक्ति साल में औसतन सिर्फ 1.5 जोड़ी जूते खरीदता है, जबकि दुनिया में यह 6–8 जोड़ी है। ऐसे में भारतीय फुटवियर बाजार तेजी से बढ़ रहा है। कंपनी ने अपने कारोबार और ब्रांड को मजबूत करने के लिए 100 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है। भारत का फुटवियर बाजार 2024 में 18.77 अरब डॉलर का था और 2033 तक इसके दोगुने से भी ज्यादा होने की उम्मीद है। बढ़ते शहर, बदलती जीवनशैली और छोटे शहरों की मांग इस उद्योग को मजबूत बना रही है। एशियन फुटवियर्स इसी बदलाव को और तेजी देने पर काम कर रहा है किफायती दाम, अच्छी गुणवत्ता और नए डिजाइन के साथ। कंपनी अब देशभर में अपनी पहुंच बढ़ा रही है। एशियन फुटवियर्स 1,00,000 मल्टी–ब्रांड दुकानों तक अपना वितरण बढ़ाने की तैयारी में है। इसके अलावा, कंपनी अपने खुद के 100 एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट खोलने की दिशा में आगे बढ़ रही है। दो नए कारखाने भी लगाए जा रहे हैं, जिनसे हर साल एक करोड़ जोड़ी जूते बनाने की क्षमता बढ़ेगी। कंपनी का फोकस उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान और गुजरात जैसे तेजी से बढ़ते राज्यों पर है। कंपनी के सी.ई.ओ. आयुष जिंदल ने कहा, "हमारा उद्देश्य है कि एशियन फुटवियर्स भारत का सबसे पसंद किया जाने वाला घरेलू जूता ब्रांड बने। हम अपनी इनोवेशन और गुणवत्ता को हर जगह उपलब्ध करवाना चाहते हैं, चाहे भारत में हों या विदेशों में। छोटे शहरों में हमें बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है, क्योंकि ई–कॉमर्स के जरिए अब लोग ज्यादा विकल्प देख पा रहे हैं। बड़े शहरों में विदेशी ब्रांडों से मुकाबला है, लेकिन हमारे जूते स्टाइल, मजबूती और आराम के साथ किफायती दामों में मिलते हैं। लगभग 1,500 रुपये की रेंज में हम बेहतरीन गुणवत्ता देने की क्षमता रखते हैं, इसी कारण ग्राहकों का हम पर भरोसा बढ़ रहा है"

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।